खबर संक्षेप

रेलवे स्टेशन पर इंजन की चपेट में आया युवक, हालत गंभीर होने पर रीवा रेफर

सतना। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर मंगलवार दोपहर एक हादसा हो गया। पटरी पार कर रहा एक युवक जनता एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया,जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर किया गया है। यह घटना दोपहर करीब 12 बजे हुई जब ट्रेन नंबर 13201 जनता एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर एक पर आ रही थी।बर्दाडीह निवासी 40 वर्षीय ललित कुशवाहा,प ता सौखीलाल कुशवाह ',प्लेटफॉर्म से पटरियों पर उतरकर प्लेटफॉर्म नंबर दो की ओर जा रहे थे। इसी दौरान वह ट्रेन के इंजन की चपेट में आ गए। हादसे के बाद ट्रेन को तुरंत रोका गया। जीआरपी और आरपीएफ स्टाफ की मदद से गंभीर रूप से घायल ललित को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार,ललित के पेट और पैर में गंभीर चोटें आई हैं।

फूटी पाइप लाइन से प्रतिदिन लाखों लीटर पानी बर्बाद

सतना। नजीराबाद रोड गली नंबर 3 में पिछले 15 दिनों से पानी की मुख्य पाइप लाइन फूटी हुई है, जिससे प्रतिदिन लाखों लीटर पीने योग्य पानी सड़क और नालियों में बहकर व्यर्थ हो रहा है। इस संबंध में नगर निगम को कई बार शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है, लेकिन अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया है। एक ओर जहाँ भीषण गर्मी में शहर के कई हिस्सों में लोग पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर इस अमूल्य जल की लगातार बर्बादी हो रही है।

'मुनाफे' के बॉयलर में सुलगती 'मजदूरों' की जिंदगी, साठगांठ की आग में कब तक जलेंगे नियम?

लापरवाही का 'ब्लास्ट': क्या सिर्फ मुआवजे के मरहम से शांत होगी दिलावर की मौत की चीख, या रसूखदारों पर गिरेगी कार्रवाई की गाज?

सतना। अमरपाटन रोड स्थित विद्याश्री सॉल्वेंट प्लांट में फटा बॉयलर सिर्फ एक मशीन का फटना नहीं है,बल्कि यह उस खोखले सिस्टम का विस्फोट है जो चंद रुपयों के मुनाफे के लिए मजदूरों को मौत के कुएं में धकेल देता है। मशीन ऑपरेटर दिलावर सिंह उर्फ पिंकू की जिंदा जलकर हुई दर्दनाक मौत और पांच अन्य मजदूरों का झुलसना सीधे तौर पर आपराधिक लापरवाही का मामला है।अब सवाल यह उठता है कि क्या प्रशासन हमेशा की तरह जांच की फाइलें दबाकर बैठ जाएगा,या इस बार गुनाहगारों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा?

सुरक्षा मानकों का जनाजा: आखिर किसके दम पर चल रहा था मौत का खेल?

प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय सूत्रों की मानें तो प्लांट में सुरक्षा के नाम पर 'धोखा' धड़ल्ले से बिक रहा था।

फायर एनओसी की धज्जियां

ज्वलनशील धान की भूसी और राइस ब्रान ऑयल का इतना बड़ा स्टॉक होने के बावजूद,क्या प्लांट में आग बुझाने के पुख्ता इंतजाम थे? शुरुआती जांच इशारा करती है कि सब कुछ भगवान भरोसे था। बॉयलर की फिटनेस पर सवाल: फटने वाला बॉयलर कितना पुराना था? क्या इसका रेगुलर सेफ्टी ऑडिट या मेंटेनेंस हुआ था? या फिर अधिकारियों की जेबें गर्म कर 'फिटनेस सर्टिफिकेट' टेबल के नीचे से जारी कर दिया गया था?

किराए का खेल और राजनीतिक संरक्षण: असली 'मालिक' कौन?

यह पूरा मामला उलझाने की भी कोशिश शुरू हो चुकी है।मिल परिसर शहर के रसूखदार सराफा कारोबारी सौरभ जैन का है,जिसे बिहार के किसी व्यापारी को 8 लाख प्रति महीने की भारी-भरकम रकम पर किराए पर दिया गया था। बड़ा सवाल: जब हर महीने लाखों का वारे-न्यारे हो रहे थे,तो मजदूरों की जिंदगी सुरक्षित करने के लिए कुछ हजार रुपए क्यों नहीं खर्च किए गए? क्या इस रसूख के पीछे किसी बड़ी राजनीतिक सत्ता का हाथ है,जो अब तक इस अवैध अनदेखी को संरक्षण दे रही थी।

आक्रोश की आग: चक्काजाम तो बस शुरुआत है!

हादसे के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों और परिजनों ने सड़क पर उतरकर चक्काजाम कर दिया। जनता का यह गुस्सा सिर्फ इस एक हादसे के खिलाफ नहीं है,बल्कि उस प्रशासनिक अंधापन के खिलाफ है जो रिहायशी इलाकों के पास ऐसी टाइम-बम जैसी फैक्ट्रियों को धड़कने की इजाजत देता है। समझाइश के बाद जाम भले ही खुल गया हो,लेकिन लोगों के दिलों में सुलग रहा आक्रोश तब तक शांत नहीं होगा जब तक न्याय धरातल पर नहीं दिखता।

अब देखना है: 'उचित कार्रवाई' या 'फाइल बंद' खेल?

पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं और जांच का आश्वासन दिया गया है। लेकिन जनता की नजरें टिकी हैं कि क्या मिल मालिक और किराएदार व्यापारी पर गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज होगा? क्या उन भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई होगी जिन्होंने आंखें मूंदकर इस मौत के कारखाने को हरी झंडी दी? या फिर राजनीतिक रसूख और धनबल के जोर पर इस मामले को भी एक 'इत्तेफाक' बताकर रफा-दफा कर दिया जाएगा? दिलावर सिंह की राख हो चुकी देह और अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहे मजदूर आज सतना प्रशासन के जमीर से जवाब मांग रहे हैं।

सतना स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर घूमती ट्रालियों पर रोक, यात्रियों की शिकायत के बाद रेलवे सख्त

मंडल कार्यालय के आदेशों की धज्जियां उड़ा रहे वेंडर्स को नोटिस; प्लेटफॉर्म के दोनों 'एंड' पर ही खड़ी रखनी होंगी खानपान ट्रालियां

सतना। पश्चिम मध्य रेल के सतना रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ताक पर रखकर प्लेटफॉर्म पर ट्रालियां घुमाने वाले खानपान लाइसेंसियों के खिलाफ रेलवे प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है।स्टेशन प्रबंधन ने प्लेटफॉर्म पर संचालित हो रही 06 खानपान ट्रालियों के संचालक 'मथुरा प्रसाद गुप्ता एंड संस' को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए व्यवस्था में तुरंत सुधार करने के निर्देश दिए हैं।

क्या है पूरा मामला?

जानकारी के अनुसार,मंडल कार्यालय (जबलपुर) द्वारा मैसर्स मथुरा प्रसाद गुप्ता एंड संस को सतना स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर कुल 6 खानपान ट्रालियां आवंटित की गई थीं। नियम और मंडल कार्यालय के स्पष्ट आदेश के मुताबिक, इन सभी ट्रालियों को यात्रियों की आवाजाही में बाधा न बने, इसलिए प्लेटफॉर्म के दोनों छोरों (END) पर निर्धारित स्थानों पर स्थिर रखकर ही सामग्री का विक्रय करना था।

यात्रियों की शिकायत पर हुई कार्रवाई

आदेशों के विपरीत,लाइसेंसी द्वारा इन सभी 6 ट्रालियों को पूरे प्लेटफॉर्म पर घुमाकर-चलाकर वेंडिंग का कार्य किया जा रहा था।प्लेटफॉर्म पर ट्रालियों के इस तरह दौड़ने के कारण ट्रेन आने-जाने के समय यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था और दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी। लगातार मिल रही जन-शिकायतों के बाद वाणिज्य विभाग हरकत में आया।

स्टेशन प्रबंधन की सख्त हिदायत

सतना स्टेशन वाणिज्य विभाग ने लाइसेंसधारी को मंडल कार्यालय के पत्र की प्रतिलिपि संलग्न करते हुए सख्त निर्देश दिए हैं कि वे तुरंत प्रभाव से ट्रालियों को पूरे प्लेटफॉर्म पर घुमाना बंद करें। सभी ट्रालियों को केवल प्लेटफॉर्म के दोनों छोरों पर तय स्थान पर ही खड़ा रखा जाए। आदेश का उल्लंघन करने पर आगामी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। इस कार्रवाई की प्रतिलिपि मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य) जबलपुर और मुख्य वाणिज्य निरीक्षक (सतना) को भी आवश्यक निगरानी और कार्रवाई हेतु भेजी गई है।

मैहर हाईवे हादसा: जिंदगी की जंग लड़ रहे घायल, रेस्क्यू के दौरान घायल अमदरा टीआई जबलपुर रेफर

सतना। नेशनल हाईवे-30 पर सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे हुए सिलसिलेवार दो सड़क हादसों के बाद प्रशासनिक और मेडिकल टीमें अलर्ट पर हैं। मां शारदा के दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को ट्रक द्वारा टक्कर मारे जाने और उसके बाद रेस्क्यू के दौरान दूसरे बेकाबू ट्रक की चपेट में आने से इलाके में सनसनी फैल गई है। इस दर्दनाक हादसे में एक नाबालिग समेत तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई,जबकि अमदरा थाना प्रभारी टीकाराम कुर्मी और एक ट्रक ड्राइवर समेत कुल 23 लोग घायल हुए हैं। हादसे की सबसे दुखद और हैरान करने वाली बात यह रही कि मौके पर देवदूत बनकर पहुंचे अमदरा थाना प्रभारी टीकाराम कुर्मी खुद एक अन्य बेकाबू ट्रक की चपेट में आ गए।जब टीआई पहले हादसे में फंसे ड्राइवर को बाहर निकाल रहे थे,तभी पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक (क्रमांक **UP**66**T**8706) ने टक्कर मार दी। मौके पर मौजूद अधिकारियों के अनुसार इस टक्कर के दौरान दूसरा ट्रक टीआई के ऊपर चढ़ गया, जिससे उनके पैर के पंजे गंभीर रूप से कुचल गए हैं। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत जबलपुर रेफर किया गया है,जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दूसरे ट्रक की भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि उसका ड्राइवर केबिन में ही बुरी तरह फंस गया था। मौके पर मौजूद सीएसपी महेंद्र सिंह चौहान ने खुद मोर्चा संभाला और करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद क्रेन व गैस कटर की मदद से ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना के बाद मौके पर सीएसपी चौहान के साथ बदेरा टीआई अभिषेक सिंह और टीआई अनिमेष द्विवेदी ने भारी पुलिस बल के साथ स्थिति को संभाला।हादसे में घायल सभी 23 लोगों को तत्काल कटनी जिला अस्पताल पहुंचाया गया था। डॉक्टरों के मुताबिक, इनमें से 6 लोगों की हालत बेहद नाजुक होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। शेष 17 घायलों का इलाज कटनी जिला अस्पताल में जारी है, जहां प्रशासन लगातार उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। इस दोहरे हादसे के बाद नेशनल हाईवे-30 पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया और देखते ही देखते कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही तीन थानों की पुलिस, एनएचआई और पेट्रोलिंग टीम ने मौके पर पहुंचकर क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को किनारे किया,जिसके बाद सुबह जाकर हाईवे पर आवागमन बहाल हो सका। अमदरा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अंगारे उगल रहा आसमान: सतना में पारा 45 डिग्री के पार, भीषण गर्मी से जनजीवन बेहाल

न्यूनतम तापमान भी 30.2 डिग्री पहुंचा, रात में भी राहत नहीं; हवाओं में घुली शुष्कता, आर्द्रता गिरकर 12 फीसदी पर आई।

सतना। लगातार चढ़ते पारे और तीखी धूप ने सतना को भट्टी की तरह तपा दिया है। जिले में भीषण गर्मी का प्रकोप अपने चरम पर पहुंच गया है,जिससे आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।

मौसम विभाग के अनुसार,मंगलवार को सतना का अधिकतम तापमान 45.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसने इस सीजन के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। दोपहर के वक्त सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है और लोग घरों में कैद रहने को मजबूर हैं।

रातें भी हुईं गर्म,उमस ने बढ़ाई बेचैनी

सिर्फ दिन ही नहीं,बल्कि रात के तापमान में भी भारी उछाल आया है। जिले का न्यूनतम तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है,जिसके कारण सूर्यास्त के बाद भी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है।

सूखी हवाओं ने बढ़ाई मुश्किल,आर्द्रता में भारी गिरावट

आसमान से बरसती आग के बीच हवा में नमी का स्तर बेहद कम हो गया है। मौसम के आंकड़ों के मुताबिक,हवा में अधिकतम आर्द्रता 27 प्रतिशत और न्यूनतम महज 12प्रतिशत रह गई है। हवा में शुष्कता बढ़ने के कारण गर्म थपेड़े (लू) शरीर को झुलसा रहे हैं। आने वाले दो-तीन दिनों तक गर्मी के तेवर ऐसे ही तीखे बने रहने की आशंका है। दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक बिना जरूरी काम के घरों से बाहर न निकलें। शरीर में पानी की कमी न होने दें और सूती व हल्के रंग के कपड़े पहनें।

मझगवां में भीषण लू का कहर: बाजार में खरीदारी करने आए अधेड़ की चक्कर खाकर गिरने से मौत

आसमान से बरसती आग और थपेड़े मारती लू अब क्षेत्र में जानलेवा साबित होने लगी है। मझगवां थाना क्षेत्र के अंतर्गत मंगलवार दोपहर भीषण गर्मी और लू की चपेट में आने से एक अधेड़ की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान ग्राम मोटवा निवासी देवराज सिंह गोंड उम्र लगभग 50 वर्ष के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देवराज सिंह अपने घरेलू सामान की खरीदारी करने के लिए मझगवां बाजार आए हुए थे। दोपहर के वक्त बाजार में खरीदारी करने के दौरान अचानक बढ़ते पारे और तीखी धूप के कारण वे चक्कर खाकर जमीन पर गिर पड़े। स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए उन्हें नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

अस्पताल पहुंचने से पहले थमी सांसें

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद देवराज सिंह को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक, अत्यधिक गर्मी के कारण युवक को संभवतः गंभीर हार्ट अटैक (हृदयघात) आया,जो जानलेवा साबित हुआ। घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है।

डॉक्टरों की सलाह: दोपहर में निकलने से बचें

क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे तापमान को देखते हुए डॉक्टरों ने स्थानीय नागरिकों से अपील की है कि बहुत जरूरी न हो तो दोपहर 12 से शाम 4 बजे के बीच तेज धूप में बाहर न निकलें। बाहर निकलते समय सिर को ढककर रखें और पानी का लगातार सेवन करते रहें।

ब्रेजा कार ने साइकिल सवार को मारी टक्कर

सतना। शहर के व्यस्ततम पन्नीलाल चौक पर आज एक तेज रफ्तार कार ने साइकिल सवार को अपनी चपेट में ले लिया। मिली जानकारी के अनुसार,ब्रेजा कार संख्या एमपी 19 जेड एस 6034 ने साइकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि साइकिल सवार सड़क पर दूर जा गिरा और उसे गंभीर चोटें आई हैं। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल को अस्पताल पहुँचाया गया,जहाँ उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

लापता किशोरी का जंगल में पेड़ से लटका मिला शव:

सतना। ताला थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक जंगल में लापता किशोरी का शव पेड़ से लटका हुआ मिला है। किशोरी सुबह अपने परिजनों के साथ जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ने के लिए गई हुई थी। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन करने के बाद भी जब वह नहीं मिली,तो करीब 3-4 घंटे बाद उसका शव जंगल में एक पेड़ से लटका हुआ पाया गया।प्रथम दृष्ट्या मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुँचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया है।

एमपी में आज नहीं मिलेंगी दवाइयां केमिस्टों ने हड़ताल का किया ऐलान

।प्व्ब्क के आव्हान में पन्ना में भी केमिस्टों के हड़ताल में रहने के कारण सभी मेडिकल की दुकानें बंद रहेंगी कल 20 मई को देशभर में केमिस्ट हड़ताल का ऐलान किया है। इस हड़ताल का असर मध्यप्रदेश में भी देखने मिलेगा ।प्व्ब्क का कहना है कि ये हड़ताल ऑनलाइन दवा बेचने वाली ई-फार्मेसी कंपनियों के खिलाफ है

पन्ना। अखिल भारतीय औषधि विक्रेता संगठन (।प्व्ब्क) ने कल 20 मई को पूरे देश में हड़ताल का ऐलान किया है। जानकारी के अनुसार इस हड़ताल में लगभग 12 लाख 40 हजार से ज्यादा केमिस्ट दुकानें बंद रहने का अनुमान है। बता दें कि मध्य प्रदेश में भी इस हड़ताल का असर देखने मिलेगा। राजधानी भोपाल में ही लगभग तीन हजार दवाई दुकानों पर इस हड़ताल का असर पड़ेगा इससे आम लोगों को दवाइयां खरीदने में दिक्कत हो सकती है। ।प्व्ब्क का कहना है कि ये हड़ताल ऑनलाइन दवा बेचने वाली ई-फार्मेसी कंपनियों के खिलाफ है। उनका कहना है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर दवाइयां बिना सही जांच के बेची जा रही हैं। इस वजह से मरीजों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

बिना डॉक्टर की जांच के बिक रही दवाइयां

केमिस्ट संगठन का कहना है कि कई ई-फार्मेसी वेबसाइट्स दवाइयां बिना डॉक्टर की सही जांच के बेच रही हैं। कई बार पुराने प्रिस्क्रिप्शन को बार-बार इस्तेमाल किया जाता है। अब ।प तकनीक से नकली प्रिस्क्रिप्शन बनाकर भी दवाइयां खरीदी जा सकती हैं। इससे एंटीबायोटिक दवाओं का गलत इस्तेमाल और नशे वाली दवाओं का दुरुपयोग तेजी से बढ़ सकता है। भविष्य में यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

छोटे केमिस्टों पर हो रहा असर

इतना ही नहीं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भारी छूट देकर दवाइयां बेचने से छोटे केमिस्टों का कारोबार बहुत प्रभावित हो रहा है। खासकर गांव और छोटे शहरों में, जहां लोग स्थानीय मेडिकल स्टोर पर भरोसा करते हैं। वहां यह समस्या और भी बड़ी है। ।प्व्ब्क का कहना है कि यदि यही हाल रहा तो कई छोटे केमिस्ट दुकानें बंद हो सकती हैं। इससे दवाइयों की उपलब्धता पर असर पड़ेगा। इस हड़ताल के लिए ।प्व्ब्क ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ज्ञापन भेजा है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन दवा (ऑनलाइन दवाओं की बिक्री) कंपनियों की अनियमितताएं सिर्फ छोटे केमिस्टों के कारोबार को नहीं, बल्कि मरीजों की सुरक्षा को भी खतरे में डाल रही हैं। संगठन के अनुसार देशभर में लगभग पांच करोड़ लोग फार्मास्यूटिकल व्यापार पर निर्भर हैं। उनकी रोजी-रोटी अब संकट में है।

केमिस्टों की मुख्य मांगें

कोविड-19 के समय बनाए गए अस्थायी नियम ळ.ै.त. 220(म) को तुरंत हटाया जाए। इसका गलत फायदा उठाया जा रहा है। ई-फार्मेसी से जुड़े नियम को रद्द किया जाए, ताकि नियमों का सही पालन हो सके। ऑनलाइन कंपनियों द्वारा दिए जा रहे भारी डिस्काउंट पर रोक लगाई जाए, ताकि बाजार में संतुलन बना रहे और छोटे दुकानदारों को नुकसान न हो। दवाइयों की बिक्री के लिए सख्त नियम लागू किए जाएं, ताकि मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित हो और दवाओं का गलत इस्तेमाल रोका जा सके।

मरीजों की सुरक्षा से जुड़ा मामला

अध्यक्ष जे.एस. शिंदे और महासचिव राजीव सिंघल का कहना है कि यह सिर्फ व्यापार का सवाल नहीं है। यह मरीजों की सुरक्षा से जुड़ा मामला है। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि 20 मई तक कोई ठोस कदम नहीं लिया गया तो हड़ताल आगे भी जारी रह सकती है।

खबर संक्षेप

श्री राम कथा विशाल भंडारे के साथ हुई संपन्न

अमानगंज। पन्ना जिले के अमानगंज नगर के प्रमुख देव स्थल श्री श्री 1008 श्री झिरियन हनुमान मंदिर मैं गत दस मई से आयोजित हो रही संगीत मय श्री राम कथा आज विशाल हवन भंडारे के साथ आयोजित हो गई इस कथा में मुख्य वक्ता के रूप में जूनागढ़ से पधारे महामंडलेश्वर महाराज आत्मानंद गिरि जी ने सारी कथा संगीत के माध्यम से आम जनमानस को सुनाई। हिंदू सनातन संस्कृति के प्रमुख धार्मिक ग्रंथो में से एक श्री रामचरितमानस पाठ बालकांड से लेकर उत्तराखंड तक के सभी प्रमुख विषयों पर आपने अपनी शिक्षा हिंदू सनातन संस्कृति को जगाने मंच के माध्यम से कहीं उन्होंने बताया कि भगवान श्री राम एक साधारण मनुष्य के रूप में पृथ्वी लोक पर आए और एक बड़ा अनुशासन और एक बड़ी शिक्षा समाज को देकर गए आम जनमानस के जीवन कल्याण के भी कई बिंदु और पाठ और जाप अपने कहे आज प्रातः काल से ही विशाल हवन मंदिर प्रांगण में आयोजित हुआ और दोपहर होते ही भंडारे का आयोजन कन्या भोज से आरंभ हुआ जो देर शाम तक चलता रहा इसमें स्थानीय और क्षेत्रीय धर्म प्रेमी बंधुओ ने बढ़ चढ़कर प्रसाद पाकर भगवान श्री राम और संकट मोचन भी हनुमान का आशीर्वाद ग्रहण किया।

ऑनलाइन फार्मेसी के विरोध में 20 मई को पवई के सभी मेडिकल रहेंगे बंद

पवई। नगर में आगामी 20 मई को समस्त दवा दुकानें बंद रखने का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय केंद्र सरकार द्वारा जारी जीएसआर 817(ई) एवं जीएसआर 220 के विरोध में लिया गया है। इस संबंध में दवा व्यापारियों द्वारा ऑल इंडिया कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के तत्वाधान में पवई एसडीएम एवं थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन को अवगत कराते हुए व्यापारियों ने बताया राष्ट्रव्यापी आंदोलन को लेकर 20 मई को पवई क्षेत्र की सभी मेडिकल दुकानें बंद रखकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर पवई नगर के समस्त मेडिकल स्टोर संचालक मौजूद रहे।

कलेक्टर की जनसुनवाई में आए 28 आवेदन

पन्ना। जिला मुख्यालय पर कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को संपन्न हुई जनसुनवाई में 28 आम लोगों की समस्याओं को सुनकर निराकरण किया गया। जनसुनवाई में कलेक्टर ऊषा परमार एवं संयुक्त कलेक्टर कुशल सिंह गौतम सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याएं सुनकर निराकृत कीं। शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में आज जनसुनवाई हुई।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक कल

पन्ना। आगामी 27 मई को ईदुज्जुहा एवं 26 जून को मोहर्रम पर्व शांतिपूर्वक मनाए जाने के दृष्टिगत गुरूवार, 21 मई को अपरान्ह 4:30 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई है। यह बैठक कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट ऊषा परमार की अध्यक्षता में होगी। इस अवसर पर समिति के अशासकीय सदस्यों सहित संबंधित विभागीय अधिकारियों से उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है।

फर्जी हस्ताक्षर के आधार पर नल जल योजना ग्राम पंचायत बलगहा में हुई हैंड ओवर - सरपंच

रोजगार सहायक और ठेकेदार की मिली भगत से काम को दिया गया अंजाम
गांव में आज भी पानी को लेकर जनता हैरान ठेकेदार गायब

अमानगंज। पन्ना जिले की जनपद पंचायत गुनौर अंतर्गत ग्राम पंचायत बलगहा में इन दिनों पेय जल संकट जमकर गहराया हुआ है और स्थानीय जनता को रोजगार सहायक ने गुमराह कर दिया है कि यह है योजना हैंडोवर हो चुकी है जो कुछ भी यहां कमियां है वह सरपंच के माध्यम से कमी बताई गई लेकिन जब सरपंच से संपर्क साधा गया और बात की गई तो सरपंच का कहना था कि यह योजना अभी हैंड ओवर नहीं हुई है काम अभी अधूरा पड़ा है इसमें स्थानीय पंचायत सहायक सचिव और ठेकेदार की भगत से फर्जी हस्ताक्षर करके योजना को हैंडोवर बताया जा रहा है जबकि गांव में पानी को लेकर भारी परेशानी बनी हुई है ठेकेदार और सहायक सचिव ने एक नई कूटनीति का पंचनामा के तौर पर तैयार की है और फर्जी हस्ताक्षर स्थानीय गांव वासियों के कराए गए हैं इस पंचनामा में ऐसे व्यक्तियों के भी हस्ताक्षर पाए गए जिनकी मृत्यु को तकरीबन 10 वर्ष हो चुके हैं ऐसे मामले की यदि उच्च स्तरीय जांच हो जाए तो सहायक सचिव सहित ठेकेदार के विरुद्ध उचित कार्यवाही जनहित में होगी ऐसी स्थानीय सरपंच की मांग है जांच को जिला कलेक्टर महोदय संज्ञान में लेकर तत्काल आदेश की कार्यवाही जनहित में करें।

मडला थाना पुलिस बनी डकैत: व्यापारी से की एक लाख की लूट, थाना प्रभारी सहित दो निलंबित

पन्ना। जिले की मंडला थाना पुलिस इन सुर्खियों में है आए दिन एक न जीवीएक कारनामा करके पुलिस विभाग की छवि को धूमिल कर रही है मडला थाना पुलिस द्वारा विगत 14 मई को रीवा के एक व्यापारी से एक लाख रुपए लूट करने का मामला सामने आया है मामला संज्ञान में आने के बाद पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू ने थाना प्रभारी रचना पटेल प्रधान आरक्षक रज्जाक खान तथा रामशरण को निलंबित कर दिया है।

घटना के संबंध में पीड़ित व्यापारी मोहनलाल सोनी पिता शंकर सोनी निवासी तिरहती रीवा ने बताया कि वह दिनांक 14 मई रीवा से चलकर अपने मित्र से मिलने खजुराहो जा रहा था उसका मित्र घाटी के नीचे मडला की नदी के पास मिला। वहां पर दोनों ने बैठकर बातचीत की तत पश्चात उसका मित्र मोटरसाइकिल से चला गया लेकिन इस दौरान वह अपनी डिग्गी में रखे हुए पांच लाख रुपए भी ले गया इसके बाद पीड़ति ने अपनी डिग्गी देखी तो उसमें पैसे नहीं थे आगे जाकर पेट्रोल पंप के पास गाड़ी लगाई तथा मोबाइल पर मित्र से बात करने लगा इसी दौरान दो लोग आये तथा बोले तुम्हारी गाड़ी को चेक करना है।

उन्होंने चाबी मोबाइल सभी छुड़ा लिए तथा गाड़ी के अंदर एक छोटा सा बैग डाल दिया और बोले इसमें गांजा रखा हुआ है। उसके बाद वह दारू ठेका के पास ले गए मैदान में 2 घंटा बिठारे रहे तथा बोले मामला निपटाना हो तो निपटा लो एक लाख रुपये लगेंगे उस दौरान दारू ठेका का मैनेजर बृजेंद्र यादव प्रधान आरक्षक रज्जाक तथा रामशरण साथ रहे पीड़ति ने बताया कि मैंने अपनी पत्नी को फोन करके अकाउंट में पैसा डलवाया और अलग-अलग दो खातों में पचास हजार एवं 45000 हजार रुपए ट्रांसफर किया उसके बाद मुझे छोड़ गया तो मैं वापस रीवा चला गया दो-चार दिन भारी परेशान रहा घटना की जानकारी परिवार वालों मित्रों को दी। इसके बाद पुलिस अधीक्षक पन्ना को आवेदन दिया पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच एसडीओपी एसपी सिंह बघेल को सौंपी जिसमें मामला सही पाया गया। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना प्रभारी रचना पटेल प्रधान आरक्षक रज्जाक खान तथा रामशरण को निलंबित कर दिया गया है।

मामले की जांच चल रही है लेकिन इस प्रकार के घटनाक्रम से पन्ना जिले की पुलिस की छवि बुरी तरह से धूमिल हुई है मंडला थाना में पूर्व मेंभी अनेक घटनाक्रम घटित हुए हैं जिसमें सेवा निवृत्त डीएसपी का मामला भी शामिल है यदि समय रहते पूर्व में कार्यवाही हो जाती तो इस प्रकार की घटना घटित नहीं होती।

जूते के फीते से लटका मिला 19 वर्षीय युवक का शव, परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

शाहनगर। विकासखंड शाहनगर अंतर्गत ग्राम सारंगपुर में एक 19 वर्षीय युवक का शव गांव के समीप स्थित सेमरिया हार के जंगल में संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मिली जानकारी के अनुसार सुरेंद्र प्रजापति पिता राजेश प्रजापति उम्र लगभग 19 वर्ष निवासी सारंगपुर मंगलवार रात करीब 11 बजे बिना बताए घर से निकल गया था। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने ग्रामीणों के साथ उसकी तलाश शुरू की, लेकिन रातभर उसका कोई सुराग नहीं लग सका। बताया जा रहा है कि सुबह करीब 6 बजे खोजबीन के दौरान ग्रामीणों ने सेमरिया हार के जंगल में एक सेझा के पेड़ पर युवक का शव लटका हुआ देखा। युवक ने पहले कपड़ा बांधा था और उसी में जूते के फीते के सहारे फांसी लगा ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शव विच्छेदन ग्रह भेजा, जहां डॉक्टर आशीष तिवारी ने पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया। मीडिया से बातचीत के दौरान मृतक के पिता राजेश प्रजापति ने शाहनगर निवासी एक युवक और उसके पिता पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उक्त युवक उनकी पुत्री से फोन पर बातचीत करता था, जिससे सुरेंद्र मानसिक तनाव में रहने लगा था। परिजनों के मुताबिक इस संबंध में बातचीत और समझाइश भी दी गई थी, लेकिन मामला नहीं सुलझा। इसी तनाव के चलते सुरेंद्र ने आत्मघाती कदम उठा लिया। मृतक के पिता ने शासन-प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की मांग की है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

आगे आकर करना होगा जनविरोधी नीतियों का विरोध - डॉ. प्रतिभा सिंह

पेट्रोल-डीजल की मूल्यवृद्धि के खिलाफ किया प्रदर्शन

पन्ना। जिला महिला कांग्रेस की प्रभारी डॉ. प्रतिभा सिंह एवं सह प्रभारी श्रीमती दीपा मिश्रा अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान आज पन्ना पहुँचीं। इस दौरान उन्होंने जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में उपस्थित महिला कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। संगठन की मजबूती और जन विरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुटता का आह्वान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी डॉ. प्रतिभा सिंह ने कहा कि आज देश और प्रदेश में सरकार की नीतियां जन विरोधी हो चुकी हैं। अब समय आ गया है कि हम सभी महिलाएं एकजुट होकर इन नीतियों का पुरजोर विरोध करें। उन्होंने संगठन को और अधिक गतिशील बनाने के लिए महिलाओं से बड़ी संख्या में कांग्रेस से जुड़ने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री के नाम पोस्ट किए पोस्टकार्ड

बैठक और कार्यक्रम के समापन के बाद, देश में महिला आरक्षण को तत्काल और पूर्ण रूप से लागू करने की मांग उठाई गई। इस मांग को लेकर कांग्रेस की सभी महिला नेत्रियों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रधानमंत्री के नाम लिखे गए पोस्टकाड्र्स को मुख्य डाकघर पहुँचकर पोस्ट किया।

पेट्रोल पंप के सामने प्रदर्शन

डाकघर के बाद महिला कांग्रेस का यह काफिला स्थानीय पेट्रोल पंप के सामने पहुँचा। यहाँ महिला नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर बढ़ती महंगाई, विशेष रूप से डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस (एलपीजी) की मूल्यवृद्धि के विरोध में जमकर नारेबाजी की और अपना विरोध दर्ज कराया। इनकी रही उपस्थिति - इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनीश खान, श्रीमती रमा बुंदेला महिला कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री श्रीमती आस्था तिवारी, राधा चौधरी, सादब खान विमला सिंगरौल, रहीमा खातून, चांदनी जाटव, प्रीति बागरी, उर्मिला त्रिपाठी, जीराबाई सिंगरौल, सूरीबाई रैकवार, सोनिया जाटव, सुनीता रैकवार, जरीना, राजबाई, उर्मिला प्रजापति, रानी बाई, निम्मी, लाला बाई, करिश्मा, सुनीता अहिरवार, राखी बाई लोधी, आरती, अनीता सेन, राजपति, दुर्गा, मुन्नीबाई, श्रीमती अंजना चौधरी, सावित्री, हक्की, सोमवती, पन्ना बाई, माया, पार्वती आदिवासी सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवाजीत सिंह, मार्तंड बुंदेला, राकेश शर्मा, जगदेव सिंह, सरफराज फारूकी, वैभव थापक, अक्षय तिवारी, सुरेंद्र सिंह शिवप्रकाश दीक्षित, रेहान मोहम्मद, भूपेंद्र सिंह परमार, स्वतंत्र प्रभाकर अवस्थी, कदीर खान, शिवलाल सेन उपस्थित रहे संचालन दीपक तिवारी ने किया।

सड़क निर्माण में बड़ा खेल, बिना काम किये निकली लाखों की राशि, आनन-फानन में बना दी दरकती सड़क

पन्ना। जनपद पंचायत अजयगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत बरियारपुर कुर्मियान में श्मशान घाट से मुख्य मार्ग तक बनने वाली सीसी सड़क निर्माण में भारी अनियमितताओं और भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि लगभग 5 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सीसी सड़क की राशि बिना निर्माण कार्य कराए ही निकाल ली गई और जब मामला उजागर हुआ तो अधिकारियों ने केवल नोटिस जारी कर औपचारिकता निभा दी। जानकारी के अनुसार शांति धाम से मुख्य मार्ग तक बनने वाली सीसी सड़क के लिए फरवरी माह में ही 2 लाख 24 हजार रुपए की राशि आहरित कर ली गई थी, जबकि शेष राशि भी मई के प्रारंभ में निकाल ली गई। हैरानी की बात यह रही कि मौके पर कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ था। जब कुछ जागरूक ग्रामीणों ने इसकी शिकायत जनपद पंचायत के सीईओ, उपयंत्री और खंड पंचायत अधिकारी से की तब जाकर अधिकारियों की नींद खुली और पंचायत को नोटिस जारी किया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि नोटिस के बाद मामले को दबाने के लिए आनन-फानन में सड़क निर्माण शुरू कराया गया, लेकिन उसमें भी जमकर अमानक सामग्री का उपयोग किया गया। हालत यह रही कि बनी हुई सीसी सड़क कुछ ही घंटों में दरकने लगी। इससे निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत में इससे पहले भी कई निर्माण कार्यों में भारी अनियमितताएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन कमीशनखोरी के चलते जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे रहते हैं। पंचायत और जनपद स्तर पर चल रहे कथित कमीशन के खेल के कारण सरकारी राशि का खुला दुरुपयोग हो रहा है। जब इस मामले में संबंधित उपयंत्री से बात की गई तो उन्होंने भी हाथ खड़े करते हुए कहा कि "सरपंच और सचिव मेरी बात ही नहीं सुनते, वे अपनी मनमर्जी से काम करते हैं।" अब सवाल यह उठता है कि जब एक जिम्मेदार तकनीकी अधिकारी की बात पंचायत प्रतिनिधि नहीं मान रहे, तो आखिर पंचायत व्यवस्था किसके भरोसे चल रही है? अब देखना यह होगा कि जनपद पंचायत के अधिकारी इस पूरे मामले में पंचायत कर्मियों को बचाने का प्रयास करते हैं या फिर निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करते हुए जनता के पैसे का सही हिसाब जनता को दिलाते हैं।

पहली विदा बनी मातम: आट्रिका पलटने से ससुर-बहू की दर्दनाक मौत, 4 गंभीर घायल

बिजावर।

थाना क्षेत्र अंतर्गत रानीताल से पहली विदा कराकर लौट रहे अहिरवार परिवार की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब उनकी आट्रिका कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में नवविवाहिता बहू और उसके ससुर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार पनागर निवासी अहिरवार परिवार की पुत्री प्रियंका अहिरवार (23 वर्ष) का विवाह 8 मई को रानीताल निवासी कोमल अहिरवार के साथ हुआ था। सोमवार को परिवार पहली विदाई कराकर वापस पनागर लौट रहा था। तभी रानीताल पुलिया के मोड़ के आगे आट्रिका कार अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई।

हादसे में वाहन में सवार प्रियंका अहिरवार और उसके ससुर मुन्नीलाल अहिरवार (55 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं वाहन में सवार नीलम अहिरवार (18 वर्ष), हरी अहिरवार (52 वर्ष), धर्मेन्द्र चौरसिया (21 वर्ष) एवं छोटेलाल अहिरवार (31 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल बिजावर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर मर्ग कायम करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

लुटेरी दुल्हन लाखों का जेवर लेकर हुई फरार, बीमारी का बहाना बनाकर अस्पताल में हुई थी भर्ती

छतरपुर। बुंदेलखड का छतरपुर जिला एक ऐसा जिला है, जहां किन्ही कारणों से लड़को की शादिया नहीं हो पाती है, तो लोग अपने परिवार का बंश चलाने के लिए दुल्हनों की खरीददारी करते है। लेकिन कई बार दुल्हनों की खरीददारी उन्हें भारी पड़ जाती है और नई नवेली दुल्हने लाखों के जेवर लेकर फरार हो जाती है। ऐसा ही एक मामला बिजावर क्षेत्र के सोनू पाठक के साथ घटित हुआ है। सोनू पाठक की शादी एक दलाल ने 14 मई को नरसिंह मंदिर से कराई थी। जबकि बागेश्वर धाम से लड़की देखने का सौदा हुआ था और 1.50 लाख रूपए में लड़की की शादी होना थी। नरसिंह मंदिर में 14 मई को भगवान को साक्षी मानकर एक दूसरे को बरमाला पहनाई गई और फिर सोनू पाठक अपनी पत्नी को लेकर घर चला गया। परिवार में शादी की सभी

रस्में पूरी हुई और दो दिन बाद अचानक नई नबेली दुल्हन ने तबियत खराब होने का बहाना बनाया और उसे अस्पताल मे भर्ती कराया गया। लेकिन अस्पताल में उड़ीसा की लुटेरी दुल्हन ने बाथरूम का बहाना बनाया और तीन चार लाख रूपए के जेबर लेकर अस्पताल से फरार हो गई। उधर दलाल का भी कोई अता पता नहीं चल रहा। पीड़ित सोनू पाठक ने पुलिस को सूचना दी, सूचना मिलने पर कोतवाली टीआई ने उसे कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

पत्नी से बिवाद होने के बाद पति की हुई मौत, मचा हंगामा मौके पर पहुंची पुलिस

छतरपुर।

सिटी कोतवाली अंतर्गत टोरिया मोहल्ला मिशन अस्पताल के सामने एक रैकबार परिवार में पति पत्नी के मध्य बिवाद हुआ और पत्नी ने पति को पीट दिया। जिससे ईलाज के दौरान पति की मौत हो गई। पति की मौत होने पर हंगामा मच गया और खबर लगते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई।

बताया जा रहा है कि दो दिन पहले ही पति पत्नी के बीच बिवाद हुआ था जिसमे पत्नी ने पति को पीट दिया था। जानकारी के अनुसार टोरिया मोहल्ला निवासी दीपक रैकबार का पत्नी कमला रैकबार से दो दिन पहले किसी बात को लेकर दो दिन पहले बिवाद हुआ और यह बिवाद इतना बढा की पत्नी कमला रैकबार ने पति दीपक रैकबार की बेरहमी से पिटाई कर दी। जिसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल भर्ती कराया गया, जहां दीपक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पति पत्नी के बीच पूर्व में भी कई बार बिवाद हो चुका था जिससे पत्नी कमला 5 बर्षो से मायके में रह रही थी और जब वह ससुराल लौटी तो उसके साथ तीन साल का एक बच्चा भी था जबकि कमला की 7 साल की बेटी पहले से ही है और इसी बात को लेकर पति पत्नी के बीच आये दिन बिवाद बना रहता था परिजनों और स्थानीय लोगों के अनुसार मृतक दीपक रैकबार शराब पीने का आदि था। जिससे पत्नी परेशान रहती थी दीपक रैकबार की मौत के बाद ही मोहल्ले में तनाव का माहौल बन गया है। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति पर नियत्रंण किया तथा लोगों को समझाईश देकर मामले की जांच शुरू कर दी। वहीं शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम की तैयारी की जा रही थी पुलिस ने अभी मर्ग कायम कर जांच में लिया है।

ग्राम धामची में किसान की निजी भूमि पर जबरन रोड निर्माण, कलेक्टर से न्याय की गुहार

छतरपुर।

जिला मुख्यालय के निकटवर्ती थाना ओरछा रोड के अंतर्गत आने वाले ग्राम धामची में एक किसान की निजी कृषि भूमि पर ग्राम पंचायत द्वारा जबरन रोड निर्माण कराने और विरोध करने पर जानलेवा हमला करने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित किसान ने मंगलवार को जिला कलेक्टर को शिकायती पत्र सौंपकर न्याय की मांग की है।

कलेक्टर को सौंपे गए आवेदन में ग्राम धामची निवासी आवेदक बृजबिहारी यादव ने बताया कि मौजा धामची (खसरा नंबर 510) में स्थित कृषि भूमि उनके स्वामित्व व आधिपत्य की पैतृक भूमि है, जो राजस्व अभिलेखों में उनके पिता धरमजीत यादव के नाम पर दर्ज है। आरोप है कि ग्राम पंचायत धामची द्वारा इस निजी भूमि पर जबरन अवैध रूप से रोड का निर्माण कराया जा रहा है। जेसीबी मशीन लगाकर खेत की कीमती मिट्टी जबरन खोद ली गई है, जिससे खेत में बड़े और गहरे गड्ढे हो गए हैं। यह भूमि गांव से बिल्कुल लगी हुई है, जिससे बारिश के मौसम में इन गड्ढों में किसी इंसान या मवेशी के गिरने और दुर्घटना होने की गंभीर आशंका बनी हुई है।

शिकायत के अनुसार बीते 16 मई 2026 को जब आवेदक के परिवार ने खेत की मिट्टी खोदने से मना किया, तो सरपंच पति गंगू उर्फ अनिल यादव, उनके परिवार के कैलाश यादव और अभय यादव द्वारा आवेदक पर जानलेवा हमला कर दिया गया। इस विवाद और मारपीट के संबंध में पुलिस थाना ओरछा रोड में अपराध क्रमांक 125/26 के तहत मामला भी पंजीकृत किया जा चुका है।

आवेदक बृजबिहारी यादव का कहना है कि वे इस संबंध में पूर्व में भी वरिष्ठ अधिकारियों को आवेदन दे चुके हैं। पीड़ित ने कलेक्टर से मांग की है कि उनकी कृषि भूमि पर जेसीबी मशीन द्वारा किए जा रहे अवैध रोड निर्माण कार्य को तुरंत बंद कराया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

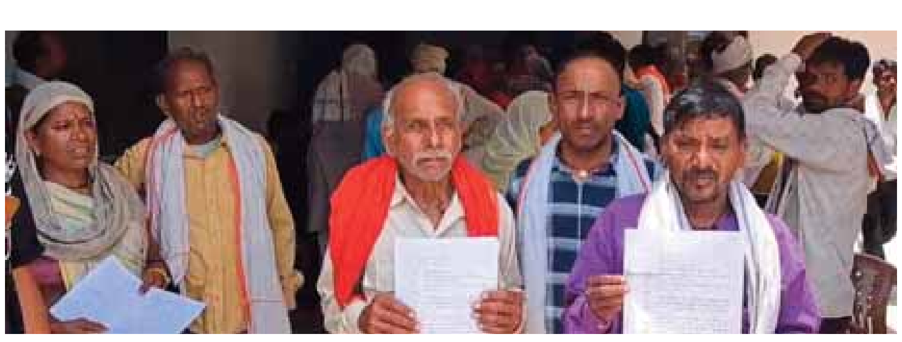

कोर्ट में मामला लंबित होने के बावजूद तहसीलदार ने किया विवादित भूमि का सीमांकन, ग्रामीणों ने कलेक्टर से की निरस्त करने की मांग

छतरपुर।

तहसील घुवारा के अंतर्गत आने वाले ग्राम बछरावनी, नकरयाखेरा में एक भूमि विवाद को लेकर प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। न्यायालय में अपील लंबित होने के बावजूद तहसीलदार द्वारा विवादित भूमि का सीमांकन कर दिए जाने से क्षेत्र में शांति भंग होने की आशंका पैदा हो गई है। इस मामले को लेकर पीड़ित ग्रामीणों ने मंगलवार को जिला कलेक्टर को आवेदन सौंपकर सीमांकन को तुरंत निरस्त करने की गुहार लगाई है। कलेक्टर को सौंपे गए शिकायती पत्र में ग्राम नकरयाखेरा निवासी मोहन, हरपा, होती, संगीता, जमना और हल्लू कुशवाहा सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि उनकी आराजी खसरा नंबर 352 और 353 मौजा बछरावनी की जमीन को जालसाजी और धोखाधड़ी कर रजिस्ट्री करा लिया गया था। इस धोखाधड़ी के खिलाफ पीड़ित पक्ष द्वारा अपर जिला जज महोदय बिजावर के न्यायालय में एक अपील दायर की गई है, जो वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है।

बिना अधिकारिता के सीमांकन करने का आरोप- ग्रामीणों का आरोप है कि जब मामला न्यायालय में लंबित है, ऐसी स्थिति में तहसीलदार घुवारा के पास उक्त विवादित भूमि का सीमांकन करने की कोई वैध अधिकारिता नहीं थी। इसके बावजूद तहसीलदार द्वारा गत 07 मई 2026 को जमीन का सीमांकन कर दिया गया। पीड़ितों का कहना है कि विपक्षियों से मिलीभगत कर दुर्भावनापूर्वक यह सीमांकन कराया गया है, जिससे मौके पर विवाद की स्थिति और अधिक बढ़ गई है। यदि इस सीमांकन को अमान्य नहीं किया गया, तो कोर्ट में चल रही अपील का औचित्य ही समाप्त हो जाएगा।

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि जिस समय सीमांकन किया गया, उस भूमि पर वर्तमान में फलदार वृक्ष और भारी मात्रा में टमाटर, बैगन, लौकी, सब्जी, गन्ना तथा उर्दा-मूंग की फसलें लगी हुई हैं। नियमतः फसल खड़ी होने के दौरान सीमांकन करना अवैध है, लेकिन इसके बावजूद अनावेदकगणों के प्रभाव में आकर यह कार्रवाई की गई, जिससे ग्रामीणों को अपूर्णीय क्षति हो रही है। पीड़ित पक्ष ने कलेक्टर से मांग की है कि नियमों को ताक पर रखकर 7 मई को किए गए इस अवैध सीमांकन को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए, ताकि उनके साथ न्याय हो सके और गांव में शांति व्यवस्था बनी रहे।

जनसुनवाई में 2 मामलों को लेकर मचा हड़कंप
आवेदन देने आए युवक ने खुद पर डाला पेट्रोल

छतरपुर।

कलेक्ट्रेट में प्रति मंगलवार लगने वाली जनसुनवाई में आये दिन कुछ ऐसे मामले देखने और सुनने को मिलते है। जिससे हड़कंप की स्थिति बन जाती है, तो वहीं चर्चाओं का बाजार भी गर्म हो जाता है। इस तरह की स्थितियों को देखकर ऐसा लगता है कि जनसुनवाई में लोगों को न्याय ना मिलने के कारण उन्हें ऐसे घातक कदम उठाने पड़ते है। आज 19 मई मंगलवार को जनसुनवाई में बड़ामलहरा क्षेत्र के घुवारा का अजय गुप्ता आवेदन देने पहुंचा।

युवक का आरोप है कि बड़ामलहरा के डॉक्टरों ने उसे टीवी की बीमारी बताकर दवाई दी। जिसे खाने से उसे गंभीर एजर्ली हो गई, इसके बाद वह जिला अस्पताल पुनः जांच कराने पहुंचा तो जांच के दौरान उसे पता चला की उसे टीवी की बीमारी नहीं है। गलत ईलाज और लापरवाही की शिकायत लेकर तथा न्याय की उम्मीद लेकर वह जनसुनवाई में कलेक्टर कार्यालय पहुंचा था लेकिन जहां जनसुनवाई ना होने से क्षुब्ध होकर उस युवक ने आत्मघाती कदम उठाने का फैसला लिया और साथ में बोतल में लाए हुए पेट्रोल को अपने शरीर पर डाल लिया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए युवक को तत्काल कस्टडी में लेकर उसके कपड़े उतरवाए गए, जिससे किसी प्रकार की अनहोनी टल गई।

जनसुनवाई में महिला का हंगामा न्याय नहीं तो मांगी ईच्छा मृत्यू -

मंगलवार को ही जनसुनवाई में एक दूसरा मामला भी सामने आया है, जहां एक महिला ने हंगामा करते हुए न्याय नहीं तो ईच्छा मृत्यू की मांग की, जनसुनवाई में महिला की चीख गूंज गई। जनसुनवाई में महिला ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि आरोपी समीर खान ने उसे प्रेम जाल में फंसाकर उसका शरीरिक और आर्थिक शोषण करता रहा। पैसे खत्म होने पर आरोपी और उसके परिजनों ने उसे जिंदा जलाने का प्रयास किया। हद तो तब हो गई जब समीर खांन के पिता और दामाद कमरूद्दीन खान ने उस पर बुरी नियत रखते हुए अभ्रद और अमर्यादित धमकी दी। उसी से परेशान होकर महिला ने राष्ट्रपति के नाम सौंपे आवेदन में रो रोकर प्रशासनिक संवेदनशीलता को झकझोर दिया। महिला के इस कदम को देखते हुए डिप्टी कलेक्टर ने तुरंत संज्ञान में लिया और मौके पर ही तहसीलदार को बुलाकर पूरे मामले की जांच करने के निर्देश दिए।

46 डिग्री की भीषण गर्मी में बिना बिजली-पानी के हुई बोर्ड परीक्षा, कॉपियों से हवा करते रहे छात्र, परीक्षा केंद्र की व्यवस्थाओं पर उठे सवाल

नौगांव। भीषण गर्मी के बीच मंगलवार को नगर के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा के दौरान गंभीर अव्यवस्थाएं सामने आईं। सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक चली परीक्षा में करीब 200 से अधिक छात्र-छात्राओं को बिना बिजली, पंखों और समुचित पेयजल व्यवस्था के परीक्षा देनी पड़ी। जानकारी के अनुसार नौगांव में इन दिनों तापमान लगभग 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। ऐसे में परीक्षा केंद्र पर सुबह से ही बिजली गुल रही, जिससे परीक्षा कक्षों में उमस और गर्मी के कारण छात्र परेशान होते रहे। कई विद्यार्थी अपनी उत्तर पुस्तिकाओं से हवा करते नजर आए, वहीं छात्राएं पानी की टंकी के नलों से किसी तरह प्यास बुझाती दिखीं।

मीडिया के परीक्षा केंद्र पहुंचने पर व्यवस्थाओं की पोल खुल गई। केंद्र प्रभारी मिथिलेश तिवारी ने स्वीकार किया कि सुबह से बिजली नहीं थी, जिसके चलते छात्र बिना पंखों के परीक्षा देने को मजबूर रहे। अधिकारियों एवं विद्युत विभाग को सूचना देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनके पास फोन नहीं था, इसलिए किसी को जानकारी नहीं दे सके। हैरानी की बात यह रही कि विद्यालय परिसर में बड़ा जनरेटर मौजूद होने के बावजूद उसका उपयोग छात्रों की सुविधा के लिए नहीं किया गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि जनरेटर केवल औपचारिकता तक सीमित रहा। विद्यालय के प्राचार्य महेंद्र प्रताप अहिरवार वर्तमान में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे हैं। छात्राओं ने बताया कि पिछले दिनों भीषण गर्मी के कारण एक छात्रा परीक्षा के दौरान बेहोश हो गई थी। मंगलवार को करीब तीन घंटे तक बिजली बंद रहने से विद्यार्थियों की हालत खराब हो गई। मामले की सूचना मीडिया द्वारा तहसीलदार, शिक्षा विभाग एवं विद्युत विभाग को दिए जाने के बाद बिजली व्यवस्था बहाल की जा सकी। इस घटना ने परीक्षा केंद्रों में विद्यार्थियों के लिए की जा रही व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

खबर संक्षेप

एक माह में तीन चोरियां, ढाई लाख के जेवर-नकदी पार, ग्रामीणों में आक्रोश

छतरपुर। जिले के थाना ओरछा रोड अंतर्गत ग्राम कैड़ी में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं ने ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है। बीती रात चोरों ने गांव के दो घरों मिहीलाल पटेल एवं संतोष पटेल के घर को निशाना बनाते हुए नगदी एवं जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। बताया जा रहा है कि चोर लाखों रुपए के सामान और नकदी लेकर फरार हो गए। लगातार हो रही वारदातों से गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।ग्रामीणों के अनुसार पिछले एक माह के भीतर गांव में चोरी की यह तीसरी बड़ी घटना है। करीब ढाई लाख रुपए की चोरी होने के बावजूद अब तक पुलिस किसी भी मामले का खुलासा नहीं कर सकी है। इससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होने लगे हैं। लोगों का कहना है कि गांव में लगातार हो रही घटनाओं के बाद भी बदमाशों के मन में कानून का कोई डर नजर नहीं आ रहा है। पीड़ित मिहीलाल पटेल एवं संतोष पटेल ने आरोप लगाया है कि पुलिस चोरी की घटनाओं के खुलासे में लापरवाही बरत रही है। उनका कहना है कि शिकायत के बाद केवल औपचारिक कार्रवाई की जा रही है, लेकिन चोर अब तक पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं। ग्रामीणों ने क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने और जल्द से जल्द आरोपियों को पकडने की मांग की है।लगातार हो रही चोरियों को देखकर ग्रामीणों में यह चर्चा भी है कि मानो चोरों ने पुलिस को खुली चुनौती दे रखी हो। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही चोरियों का खुलासा नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

खजुराहो रोड पर मोटरसाइकिल और स्कूटी की भिड़ंत, 3 घायल जिला अस्पताल रेफर

बमीठा। बमीठा-खजुराहो रोड पर सोमवार रात करीब 10:30 बजे एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल और स्कूटी के बीच आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।जानकारी के अनुसार, गलत दिशा से आ रही मोटरसाइकिल ने स्कूटी सवार को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में स्कूटी सवार रवि मिश्रा निवासी बमीठा गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं मोटरसाइकिल सवार विन्द्रावन कुशवाहा और लखन कुशवाहा निवासी बमीठा भी घायल हुए हैं। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने तत्काल 108 एम्बुलेंस की सहायता से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बमीठा पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों की हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मतंगेश्वर महादेव से निकली आस्था की हुंकार

खजुराहो। विश्व प्रसिद्ध मतंगेश्वर महादेव मंदिर से मंगलवार को निकली भव्य कलश यात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय माहौल में रंग दिया। ग्राम बेनीगंज स्थित माता वामन भुजा जी मंदिर में आयोजित होने जा रहे विशाल श्रीराम महायज्ञ एवं संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला।कलश यात्रा में सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रॉलियां, चार पहिया वाहन और पैदल चल रहे श्रद्धालु शामिल हुए। माता-बहनों, युवाओं और ग्रामीणों ने जय श्रीराम और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। यात्रा मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया।युवा समाजसेवी बॉबी शिवहरे कलश यात्रा की व्यवस्थाओं से लेकर कथा स्थल की तैयारियों तक वे अपनी युवा टीम के साथ सक्रिय नजर आए। कार्यक्रम में पहुंचे अरविंद पटेरिया ने आयोजन की तैयारियों का जायजा लेते हुए कहा कि चार वेद, छह शास्त्र और अठारह पुराणों की दिव्य महिमा से जुड़ा यह धार्मिक आयोजन क्षेत्र में धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का संदेश फैलाएगा। समाजसेवी बॉबी शिवहरे ने बताया कि 19 मई से 26 मई 2026 तक आयोजित होने वाले इस विशाल धार्मिक आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। कथा स्थल पर भव्य पंडाल, विशाल भंडारा, संत-महात्माओं का आगमन एवं श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

खबर संक्षेप

रीवा संभाग में अब तक 525852 मीट्रिक टन हुई गेंहू की खरीद

रीवा । रीवा संभाग में 19 मई तक 98712 किसानों से 525852 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई है। उपार्जित गेंहू का किसानों के बैंक खाते में लगातार भुगतान किया जा रहा है। अब तक संभाग के अन्नदाताओं को 434 करोड़ रुपए की राशि उनके बैंक खाते में जारी कर दी गई है। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने बताया कि संभाग में 334 खरीदी केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से गेंहू का उपार्जन किया जा रहा है। उपार्जन के लिए अब तक 119090 किसानों ने स्लॉट बुक किए हैं। रीवा जिले में 79 खरीदी केन्द्रों में 29666 किसानों से 140179 मीट्रिक टन गेंहू का उपार्जन किया गया है। किसानों को अब तक 165 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। सतना जिले में 95 खरीदी केन्द्रों में 36692 किसानों से 237882 मीट्रिक टन गेंहू का उपार्जन किया गया है। किसानों को 172 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। सीधी जिले में 44 खरीदी केन्द्रों में 7488 किसानों से 27790 मीट्रिक टन गेंहू का उपार्जन किया गया तथा किसानों को 15 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। इसी तरह सिंगरौली जिले में 48 खरीदी केन्द्रों में 7031 किसानों से 22043 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई है। किसानों को 14 करोड़ रुपए का भुगतान दिया जा चुका है। मऊगंज जिले में 26 खरीदी केन्द्रों में 4269 किसानों से 19020 मीट्रिक टन गेंहू का उपार्जन किया गया है तथा 8 करोड़ रुपए किसानों को भुगतान किया गया है। मैहर जिले में 42 खरीदी केन्द्रों में 13566 किसानों से 78938 मीट्रिक टन गेंहू का उपार्जन किया गया है। किसानों को 60 करोड़ रुपए गेंहू का भुगतान किया गया है। उपार्जित गेंहू में से 59 प्रतिशत का परिवहन करके सुरक्षित भण्डारण करा दिया गया है।

डाक विभाग में डायरेक्ट एजेंटों का होगा चयन, साक्षात्कार 20 मई तक

रीवा । भारत सरकार द्वारा भारतीय डाक विभाग में डाक जीवन बीमा और ग्रामीण डाक जीवन बीमा के व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए 'डायरेक्ट सेल्स एजेंट' (इनसेंटिव आधारित) के चयन के लिए साक्षात्कार आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में अधीक्षक डाकघर रीवा संभाग ने बताया कि चयन प्रक्रिया के लिए साक्षात्कार 20 मई तक संचालित किए जाएंगे। साक्षात्कार का समय सुबह 11.30 बजे रखा गया है। इच्छुक आवेदक अपने सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ कार्यालय अधीक्षक डाकघर रीवा संभाग सिरमौर चौराहा द्वितीय तल में निर्धारित समय में उपस्थित हो सकते हैं।

विदेश में पढ़ाई के लिए पिछड़ावर्ग के विद्यार्थियों को दी जा रही छात्रवृत्ति

रीवा । पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा विदेश में उच्च शिक्षा के लिए पिछड़ावर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दे रहा है। इस संबंध में सहायक संचालक पिछड़ावर्ग सुमन द्विवेदी ने बताया कि पूरे प्रदेश से 50 विद्यार्थियों का चयन विदेशों में स्नातकोत्तर एवं शोध उपाधि के लिए किया जाता है। राज्य शासन द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम में स्नातकोत्तर उपाधि अथवा शोध उपाधि प्राप्त करने के लिए पिछड़ावर्ग के जो पात्र विद्यार्थी विदेश में किसी मान्य विश्वविद्यालय में प्रवेश लेते हैं तो उन्हें छात्रवृत्ति के रूप में यूनिवर्सिटी अथवा संस्थान द्वारा दिए गए आफर लेटर में उल्लेख के अनुसार शिक्षण शुल्क, निर्वाह भत्ता, हवाई यात्रा भत्ता, स्वास्थ्य बीमा तथा आकस्मिक भत्ता की सहायता दी जाती है। स्नातकोत्तर पढ़ाई के लिए आवेदन करने पर स्नातक में 60 प्रतिशत से अधिक तथा शोध उपाधि के लिए स्नातकोत्तर परीक्षा में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करना आवश्यक है। शोध उपाधि के लिए एमफिल की उपाधि अथवा संबंधित क्षेत्र में दो वर्ष के अध्यापन का अनुभव होना आवश्यक है। आवेदक का मध्यप्रदेश में निवासरत पिछड़ावर्ग का सदस्य होना आवश्यक है। जिसकी आयु सीमा 18 से 35 वर्ष निर्धारित की गई है। पिछड़ावर्ग के पात्र विद्यार्थी विभागीय वेबसाइट में केवल आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

नीट परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में एनएसयूआई ने किया उग्र प्रदर्शन

डिप्टी सीएम आवास घेराव की कोशिश; पुलिस ने वाटर कैनन और आंसू गैस का किया प्रयोग

नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं को लेकर मंगलवार को रीवा में राष्ट्रीय छात्र संगठन की जिला इकाई ने उग्र प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और कार्यकर्ताओं ने शहर में रैली निकालकर उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला के आवास का घेराव करने का प्रयास किया।

रीवा।

हालांकि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को कॉलेज चौराहे के पास ही रोक दिया। इस दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस द्वारा वाटर कैनन का प्रयोग किया गया, वहीं प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए। प्रदर्शन के दौरान छात्रों और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भीषण गर्मी और लगभग 44 डिग्री तापमान के बावजूद बड़ी संख्या में छात्र सड़कों पर उतरे और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लगातार सामने आ रहे पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं के मामलों ने लाखों छात्रों के भविष्य को संकट में डाल दिया है। छात्रों का आरोप है कि कड़ी मेहनत करने वाले युवाओं के साथ अन्याय हो रहा है, जबकि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने प्रदर्शन के दौरान केंद्र और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में पेपर लीक की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे छात्रों का परीक्षा व्यवस्था से विश्वास उठता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस पूरे मामले पर गंभीरता नहीं दिखा रही और जिम्मेदार लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रों के साथ हुए इस बड़े घटनाक्रम के बावजूद प्रदेश के वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। उनका कहना था कि युवा अपने भविष्य को लेकर चिंता और असुरक्षा की स्थिति में हैं तथा सरकार निष्पक्ष परीक्षा और रोजगार देने में विफल साबित हो रही है। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन ने सख्ती दिखाई और प्रदर्शनकारियों के साथ कठोर रवैया अपनाया गया। संगठन ने कहा कि यदि परीक्षा अनियमितताओं के मामले में जिम्मेदारी तय नहीं की जाती और केंद्रीय शिक्षा मंत्री नैतिक आधार पर इस्तीफा नहीं देते, तो आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

10 साल बाद भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित न्यू कॉलोनी

जोरी सड़क और बिजली व्यवस्था के अभाव से रहवासी परेशान, कलेक्टर से की हस्तक्षेप की मांग

रीवा।

जिले की जोरी ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाली न्यू कॉलोनी जोरी के रहवासियों ने कॉलोनी में लंबे समय से चली आ रही मूलभूत सुविधाओं की गंभीर समस्याओं को लेकर जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। कॉलोनीवासियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया है कि कॉलोनी विकसित करने वाले विक्रेता/डेवलपर की लापरवाही और वादाखिलाफी के कारण पिछले एक दशक से लोग बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं, जिससे उनका जनजीवन प्रभावित हो रहा है। रहवासियों के अनुसार न्यू कॉलोनी जोरी को विकसित हुए लगभग 10 वर्ष से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन आज तक कॉलोनी की सड़कों और बिजली व्यवस्था से जुड़ी प्रमुख समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। लोगों का कहना है कि कॉलोनी बेचते समय विक्रेता द्वारा सड़क, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर कई आश्वासन दिए गए थे, लेकिन वे केवल कागजों तक सीमित रह गए।कॉलोनीवासियों ने बताया कि विक्रेता पक्ष द्वारा कॉलोनी की सड़कों का खसरा राजस्व अभिलेखों के माध्यम से अब तक शासन अथवा ग्राम पंचायत को विधिवत हस्तांतरित नहीं किया गया है। इस कारण जोरी ग्राम पंचायत चाहकर भी सड़कों के निर्माण और मरम्मत का कार्य प्रारंभ नहीं कर पा रही है। सड़कें पूरी तरह जर्जर हो चुकी हैं और कई स्थानों पर गड्ढों तथा जल निकासी की व्यवस्था न होने से स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। इसके अलावा बिजली व्यवस्था को लेकर भी गंभीर शिकायत सामने आई है। रहवासियों ने बताया कि कॉलोनी निर्माण के दौरान डेवलपर द्वारा नया ट्रांसफार्मर, बिजली के खंभे और केबल लाइन स्थापित कर सुचारु विद्युत आपूर्ति देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन वर्षों बाद भी यह व्यवस्था धरातल पर नहीं उतर सकी। इसके चलते लोगों को अपर्याप्त और अस्थिर बिजली आपूर्ति का सामना करना पड़ रहा है।कॉलोनीवासियों का कहना है कि बारिश के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। सड़क निर्माण और ड्रेनेज सिस्टम नहीं होने के कारण कई स्थानों पर घुटनों तक पानी भर जाता है। जलभराव की वजह से बच्चों को स्कूल जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और कई बार उनका आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। रहवासियों ने यह भी बताया कि बुजुर्गों और महिलाओं के लिए घर से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। आवश्यक कार्यों, अस्पताल जाने या दैनिक जरूरतों के लिए आवाजाही प्रभावित होती है। वहीं, लंबे समय तक दूषित पानी जमा रहने के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा भी मंडरा रहा है। कॉलोनीवासियों ने जनसुनवाई में पहुंचकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि संबंधित विक्रेता या डेवलपर के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाए और उसे अधूरे कार्य तत्काल पूर्ण करने के लिए बाध्य किया जाए। साथ ही सड़क खसरा हस्तांतरण की कानूनी प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कराते हुए ग्राम पंचायत को सड़क निर्माण कार्य शुरू करने की अनुमति दी जाए।इसके साथ ही बिजली विभाग को निर्देश देकर कॉलोनी में नया ट्रांसफार्मर, बिजली के खंभे और अन्य आवश्यक अधोसंरचना विकसित कर स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है।

जनसुनवाई में उमड़ी शिकायतकर्ताओं की भीड़

कलेक्टर ने 953 आवेदकों की सुनी गई समस्याएं समयसीमा में निराकरण न करने पर अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

रीवा।

जिले की साप्ताहिक जनसुनवाई इस बार कई मायनों में चर्चा का विषय रही। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित जनसुनवाई में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने कुल 953 आवेदकों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं समाधानकारी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का निराकरण निर्धारित समयसीमा में किया जाए। यदि किसी आवेदन का निराकरण समय पर नहीं किया जाता है तो संबंधित अधिकारी या कर्मचारी से अर्थदंड की राशि वसूलकर सीधे पीड़ित आवेदक को उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि भूमि संबंधी मामलों में केवल वास्तविक खातेदार को ही अधिकारिता सुनिश्चित की जाए। यदि किसी अन्य व्यक्ति का नाम गलत तरीके से दर्ज पाया गया तो संबंधितों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह निर्देश उन्होंने महेंद्र सिंह बघेल द्वारा ड्रोन सर्वे में मकान के गलत रिकॉर्ड दर्ज होने की शिकायत पर दिए। जनसुनवाई में पहुंचे कई मामलों पर कलेक्टर ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। बदवार निवासी सावित्री प्रजापति द्वारा सर्पदंश से बालक की मृत्यु पर आर्थिक सहायता की मांग किए जाने पर प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए गए।इसी प्रकार मंजू कोल के जाति प्रमाण पत्र संबंधी आवेदन को एसडीएम जवा, बब्लू जायसवाल के अतिक्रमण हटाने संबंधी आवेदन को तहसीलदार जवा, तथा रामकली सिंह के सीमांकन संबंधी आवेदन को तहसीलदार मनगवां के पास भेजा गया।वढ़ौवा निवासी रामरूचि द्विवेदी ने अपने घर के सामने शौचालय का दूषित पानी बहने की शिकायत की, जिस पर जनपद सीईओ को स्थल निरीक्षण कर उचित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। नवीन तिवारी के भवन निर्माण अनुमति, प्रतिभा सिंह के आदेश पालन तथा पीतांवर पाण्डेय एवं शिवपाल सिंह के अतिक्रमण संबंधी आवेदनों पर भी संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।पटवारी को लगाया फोन, सीमांकन में देरी पर जताई नाराजगीजनसुनवाई के दौरान बड़ाछ निवासी शिवशंकर त्रिपाठी ने अपनी भूमि के सीमांकन में देरी की शिकायत दर्ज कराई। इस पर कलेक्टर ने तत्काल संबंधित पटवारी से फोन पर चर्चा कर वस्तुस्थिति की जानकारी ली और सीमांकन सहित नक्शा सुधार की कार्रवाई शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा वीरपुर निवासी सत्यनारायण तिवारी के आवेदन पर एसडीएम जवा को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए।दिव्यांग बेटी को गोद में लेकर पहुंचे पिता, कलेक्टर ने दिखाई संवेदनशीलताजनसुनवाई के दौरान एक भावुक दृश्य भी सामने आया। सिरमौर के गोदहा निवासी अर्जुन तिवारी अपनी पूर्णतः दिव्यांग बेटी रुचि तिवारी को गोद में लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। परिवार ने शिकायत की कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र होने के बावजूद उनका नाम सूची में शामिल नहीं किया गया है। साथ ही आरोप लगाया कि आवास स्वीकृति के लिए सहायक सचिव रामरति साहू द्वारा दो हजार रुपये की मांग की जा रही है। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी ने संबंधित अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का अल्टीमेटम दिया। वही संवेदनशीलता का परिचय देते हुए कलेक्टर ने तहसीलदार के शासकीय वाहन से दिव्यांग युवती और उसके पिता को सुरक्षित उनके गांव तक भिजवाने की व्यवस्था भी कराई।सभागार में भीड़ बढ़ी तो जनता के बीच पहुंचे कलेक्टरजनसुनवाई में अत्यधिक भीड़ होने के कारण मोहन सभागार पूरी तरह भर गया। इसके बाद कलेक्टर स्वयं सभागार से बाहर निकलकर सीधे जनता के बीच पहुंचे और वहीं बैठकर आवेदनों को स्वीकार किया।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ मेहताब सिंह गुर्जर तथा अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनीं।100वीं शिकायत लेकर पहुंचे फरियादी ने काटा केक, सड़क-पुल निर्माण में घोटाले का आरोपजनसुनवाई में उस समय अलग दृश्य देखने को मिला जब सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गाढ़ा-135 निवासी एक फरियादी अपनी 100वीं शिकायत लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और विरोध स्वरूप केक काटा।फरियादी का आरोप है कि आजादी के 78 वर्ष बाद भी गांव सड़क और पुल जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। उन्होंने कहा कि वह पिछले 15 वर्षों से सड़क और पुल निर्माण की मांग को लेकर अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला।पीड़ित के अनुसार वर्ष 2022 में सड़क निर्माण के लिए टेंडर जारी हुआ और वर्ष 2023 में भूमिपूजन भी किया गया, लेकिन निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया।उन्होंने आरोप लगाया कि तीन बार टेंडर प्रक्रिया होने के बावजूद निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ तथा बिना निर्माण कार्य के ही करोड़ों रुपये के भुगतान और घोटाले किए गए हैं।

मारपीट के बाद लापता युवक का बीहर नदी में मिला शव

परिजनों ने हत्या कर शव फेंकने का लगाया आरोप

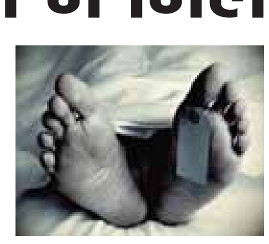

रीवा। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत निपनिया मोहल्ले में दो दिन पूर्व हुई मारपीट की घटना के बाद लापता हुए युवक का शव सोमवार को बीहर नदी में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। मिली जानकारी के अनुसार सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के निपनिया मोहल्ले में दो दिन पहले दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई थी। इसी घटना के दौरान अमहिया मोहल्ला निवासी लाल उर्फ रितेश चौधरी अचानक लापता हो गया था। परिजन लगातार उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया था। घटना के दो दिन बाद मंगलवार को करहिया क्षेत्र स्थित बीहर नदी में एक युवक का शव दिखाई देने की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाया गया। जांच के दौरान शव की पहचान लाल उर्फ रितेश चौधरी के रूप में हुई।बताया जा रहा है कि मृतक के शरीर पर चोट के निशान भी पाए गए हैं, जिससे मामला संदिग्ध माना जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने आरोप लगाया कि युवक की हत्या करने के बाद आरोपियों ने साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को नदी में फेंक दिया। घटना के बाद परिजनों में आक्रोश का माहौल देखने को मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। साथ ही पूरे मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी गई है।

कमिश्नर तथा अन्य अधिकारी साइकिल और ईव्ही से पहुंचे कार्यालय, कमिश्नर की पहल पर 10 महीने से मनाया जा रहा सुमंगल साइकिल दिवस

खाड़ी में तनावपूर्ण स्थिति तथा युद्ध के कारण पेट्रोलियम पदार्थों के आयात पर विपरीत असर पड़ा है। होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के आवागमन के असुरक्षित होने से पेट्रोलियम पदार्थों तथा एलपीजी गैस की नियमित आपूर्ति प्रभावित हुई है।

रीवा ।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आमजनता से पेट्रोलियम पदार्थों के उपयोग में सयंम की अपील की है। रीवा में पेट्रोलियम पदार्थों की बचत तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए अगस्त 2025 से लगातार सुमंगल साइकिल दिवस मनाया जा रहा है। कमिश्नर बीएस जामोद की विशेष पहल पर मंगलवार को संभागीय अधिकारी साइकिल, ई रिक्शा अथवा इलेक्ट्रानिक वाहन से कमिश्नर कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में भाग लेने के लिए पहुंचते हैं। सुमंगल साइकिल दिवस पर कमिश्नर श्री जामोद, खनिज अधिकारी बसंतराम, संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा टीएन टेकाम तथा अन्य अधिकारी साइकिल से कार्यालय पहुंचे। रीवा में पिछले 40 सप्ताहों से सुमंगल साइकिल दिवस के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और पेट्रोलियम पदार्थों के विवेकपूर्ण उपयोग का संदेश दिया जा रहा है। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा है कि अधिकारी, कर्मचारी और आमजन सभी सप्ताह में एक दिन पेट्रोलियम पदार्थों से चलने वाले वाहन के उपयोग के स्थान पर साइकिल तथा इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करें। पेट्रोलियम की बचत के छोटे-छोटे प्रयासों से हम देश के विकास में बड़ा योगदान दे सकते हैं। साइकिल के उपयोग से पेट्रोलियम की बचत होने के साथ-साथ शरीर भी स्वस्थ रहता है।